

मिशन (विशेष कार्य के लिए विशेषतः विदेश में भेजा गया शिष्टमंडल) इन्द्रधनुष का द्वितीय चरण (The Mission of The Rainbow II – Social Issues)

• केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा मिशन इन्द्रधनुष के द्वितीय चरण का प्रारंभ किया गया। इस चरण में 352 जिलों का चयन किया गया है। 33 जिलों का चयन पूर्वोत्तर राज्यों में से किया गया है जबकि 40 ऐसे जिलों को चुना गया है जहाँ टीकाकरण अभियान के दौरान ऐसे बच्चों की संख्या ज्यादा है तथा जिनका टीकाकरण नहीं हो पाया है।

मिशन इन्द्रधनुष

- इस मिशन का उद्देश्य 2022 तक 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त कर लेना है।
- जिन रोगों के लिए कार्यक्रम के अंतर्गत टीका प्रदान किया जाएगा वह निम्नलिखित हैं-
- डिप्थीरिया
- काली खांसी
- पोलियो
- क्षय रोग
- हेपेटाइटिस बी
- खसरा
- टिटनेस आदि।
- इन रोगों के अलावा, जापानी एनसेफलाइटिस तथा हीमोफिलस इन्फ्लुएन्जा जैसे रोगों के लिए भी कुछ जिलों में टीके की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

इन्द्रधनुष अभियान की प्रथम चरण की उपलब्धिया

- गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दो करोड़ से अधिक टीके लगाये गए।
- 75.5 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया।
- 20 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को टिटनेस का टीका लगाया गया।
- दस्त की समस्या से निपटने के लिए जिंक की गोलियाँ और ओ.आर.एस. के पैकेट वितरित किए गए।